

# हे चित्रकूट के प्राण तुम्हारी जय हो । By Swami Ram Bhadracharya Ji maharaj ।

हे चित्रकूट के प्राण  
तुम्हारी जय जय हो  
हे संस्कृति के आह्वान  
तुम्हारी जय जय हो

तुमने मृत भारत को  
नव प्राण दिलाया  
तुमने जन जन को  
मानस अमृत पिलाया  
हे गुणी जन ज्ञान निधान  
तुम्हारी जय जय हो  
हे चित्रकूट के प्राण  
तुम्हारी जय जय हो  
हे संस्कृति के आह्वान  
तुम्हारी जय जय हो

तुमने समझी श्रुति  
धर्म शास्त्र परिभाषा  
बा तुमको हुई सनाध  
ग्राम सुरभाषा  
हे राम भक्त धन्वान  
तुम्हारी जय जय हो  
हे चित्रकूट के प्राण  
तुम्हारी जय जय हो  
हे संस्कृति के आह्वान  
तुम्हारी जय जय हो

हे संत वंश कल हंस  
सुकविकुल भूषण  
हुए भूर भाग्यपा तुमको  
दूषण दूषण  
हे मानवता वरदान  
तुम्हारी जय जय हो  
हे चित्रकूट के प्राण  
तुम्हारी जय जय हो  
हे संस्कृति के आह्वान  
तुम्हारी जय जय हो

हे काल के युग भ्रष्ट  
बाबा तुलसी  
पा तुमको वसुधा हुलसी  
हुलसी हुलसी  
हे गिरिधर के भगवान  
तुम्हारी जय जय हो  
हे चित्रकूट के प्राण  
तुम्हारी जय जय हो

हे संस्कृति के आह्वान  
तुम्हारी जय जय हो

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a5%87-%e0%a4%9a%e0%a4%bf%e0%a4%a4%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%95%e0%a5%82%e0%a4%9f-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a3-%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a5%8d/>